DELHI URBAN SHELTER IMPROVEMENT BOARD
GOVT. OF NCT OF DELHI
(PARLIAMENT CELL)
Room No.50, Punarvas Bhawan,
I.P. Estate, New Delhi-110002

dated: 29/11/19

No. DD/PC/DUSIB/D- 101

To,

The Dy. Secretary (Question Cell),
Delhi Legislative Assembly, GNCTD,
Old Secretariat, Delhi-110054

Subject:- Reply of Un-Starred Question No. 178 for dated 03/12/2019.

Sir,

Please find enclosed herewith **100 copies** of reply of Un-Starred Question No. 178 raised by Sh. Jagdish Pradhan, Hon'ble MLA, duly approved by Hon'ble Minister Urban Development.

Yours faithfully,

Deputy Director (PC)
Phone No. 23378559

Encl: As above.

Copy to:-
Director (DIP) along with **150 copies.**

दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार
संसद कक्ष

पुनर्वास भवन, कमरा न0-50
आई0पी0इस्टेट, नई दिल्ली

अतारांकित प्रश्न संख्याः- 178
दिनांकः- 03-12-2019
प्रश्नकर्ता का नामः— श्री जगदीश प्रधान
क्या माननीय शहरी विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः-

प्रश्न	उत्तर
(क) दिल्ली में सड़कों किनारे कितने बेघर लोग रहते है;	दिल्ली में सड़कों किनारे रह रहे बेघर लोगों उनके घटते बढते होने के कारण इस विभाग के पास उपलब्ध नहीं है। लेकिन विभाग द्वारा 16 रेस्कयू टीम चलाई जा रही है जोकि कि सड़कों पर या अन्य जगह पर वेघर लोगों को गाडी द्वारा नजदीक के शेल्टर होम में स्थानान्त्रित करा देते है। पिछले दिनों के आकडों के अनुसार दिंनाक 20/11/2019 से 26/11/2019 तक 616 लोगों को नजदीक के शैल्टर होंमो में स्थानान्त्रित किया है।
(ख) दिल्ली में रैन बसेरो की कितनी क्षमता है और इस समय कितने लोग उनमें रह रहे है;	इस कार्यालय में उपलब्ध रिकार्ड के अनुसार दिल्ली में इस समय 193 रैन बसेरे चल रहे है जिनकी कुल क्षमता 16,660 है तथा सर्दियो में अस्थाई रैन बसैरे लगभग 70 पगोडा टेन्टों द्वारा चालू किये जाते है जिससे इनकी क्षमता लगभग 18500 तक बढं जाती है। इस समय औसतन दिन में 2600 एंव रात को 7100 लोग रैन बसेरों में रहते है। सर्दियो में रात में रैन बसेरों में रहने वालो की अधिकतम संख्या लगभग 13,000 तक पहुच जाती है।
(ग) इस समय कितने रैन बसेरा चल रहे है और इनमें कितने पुरूष, महिलाए, बच्चे और नवजात शिशु है;	उपरोक्त (ख) के अनुसार
(घ) इस वर्ष बेघरों को प्रदूषणतथा ठण्ड से बचाने के लिए सरकार ने क्या व्यवस्था की है;	उपरोक्त (ख) के अनुसार

(ड) सरकार द्वारा बैघरों को क्या-क्या सुविधाएं दी जा रही है;	इस विभाग द्वारा रेन बसेरों में मूलभूत सभी सुविधाएं जैसे- कम्वल, गददे, तकिये, चादर, पीने के लिए आर0 ओ0 का स्वचछ पानी, टेलीविजन, शौचालय,पखें इत्यादि सुविधायें प्रदान की जा रही है जोकि एस. एम. ए. / एन. जी. ओ. संस्था द्वारा संचालित की जाती है।
(च) क्या इस वर्ष कुछ नई सुविधाएं भी दी जा रही है इसकी पूरी जानकारी दे;	इस बर्ष विभाग ने रैनबसेरों में फोम के गददे, तकिये, चादरें, मच्छर मारने की मशीने तथा बगलासाहिव, संराय काले खां और जामा मस्जिद में बच्चों के लिए झूले इत्यादि का प्रवन्ध इत्यादि की नयी सुविधायें प्रदान की जा रही है जिनके लिए विभाग में 4000 नये फोम के गददे खरीदे गये है।
(छ) क्या बेघरों को मास्क भी उपलब्ध कराय जा रहे है इसकी विस्तृत जानकारी दे; और	नहीं।
(ज) इस बर्ष इनकी कितनी सख्या बढाए जाने का प्रस्ताव है?	सर्दियो में विभाग अस्थाई रेनबसेरों की व्यवस्था करता है। लगभग 60-70 अस्थाई रेनबसेरे स्थापित किये जा रहे है। आवश्यकता पडनें पर इनकी सख्या बढाई जा सकती है जिससे उनमें बेघर व्यक्तियों के रहने के लिए लगभग- 18500 से 19000 तक कर दी जायेगीं।

यह उत्तर सक्षम अधिकारी की पूर्व अनुमति से प्रेषित किया जाता है।

उप निदेशक (संसद प्रकोष्ट)